C-10

Concept of Special Education :-

विशिष्ट शिक्षा का आशय उस शिक्षा व्यवस्था से होता है जो कि छात्र विशेष को उसकी शारीरिक असामान्यता के अनुरूप प्रदान की जाती है।

विशिष्ट बालक वह होते हैं जो शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक या सामाजिक गुणों में औसत से भिन्न होते हैं।

J.J. Hunt के अनुसार :- "विशिष्ट बालक वे हैं जो शारीरिक, संवेगात्मक या सामाजिक विशेषताओं में सामान्य बालकों से इतने पृथक हैं कि उनकी क्षमताओं के अधिकतम विकास के लिए विशिष्ट शिक्षा सेवाओं की आवश्यकता होती है।

साधारण शब्दों में विशिष्ट शिक्षा से अभिप्राय उस शिक्षा से है जो विशिष्ट बालकों को दी जाती है। ~~जिसमें~~ जो प्रतिभाशाली एवं पिछड़े बालकों ~~को दी जाती है~~।

Definition of Special Education :-

Prof. S.K. Dubey के अनुसार :- "विशिष्ट शिक्षा का आशय उस शिक्षा से है, जो सामान्य स्तर के छात्रों से अधिक या कम मानसिक एवं शारीरिक स्तर के छात्रों को प्रदान की जाती है।

श्रीमती R.K. Sharma के अनुसार :- "विशिष्ट शिक्षा उन सभी छात्रों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा है, जो निश्चित वातावरण में उचित कार्य नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार के छात्र प्रतिभाशाली एवं शारीरिक रूप से अक्षम दोनों रूप में हो सकते हैं।"

APRIL

Scanned with CamScanner

Oman Mind के अनुसार :- विशिष्ट शिक्षा किसी एक श्रेणी के छात्रों के लिये नहीं होती ~~बल्कि~~ एवं इन सभी छात्रों के लिये होती है, जिनको उनकी आवश्यकता होती है।

विशेष शिक्षा का विशेषताऐं

Characteristics of Special Education :-

(i) विशिष्ट शिक्षा उन छात्रों के लिये होती है, जो कि एक निश्चित शैक्षिक वातावरण में सामान्य रूप से कार्य नहीं कर पाते हैं।

(ii) विशिष्ट शिक्षा की संरचना में छात्रों की योग्यता एवं मानसिक स्तर का विशेष ध्यान रखा जाता है।

(iii) विशिष्ट शिक्षा का पाठ्यक्रम एवं विधियाँ सामान्य शिक्षा के पाठ्यक्रम एवं विधियों से भिन्न होता है।

(iv) विशिष्ट शिक्षा प्रतिभाशाली एवं शारीरिक अक्षमता से युक्त छात्रों के लिये ही होती है।

(v) विशिष्ट शिक्षा साधारण शिक्षा का एक रूपांतर है।

(vi) विशिष्ट शिक्षा योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से प्रदान की जाती है।

विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य (Objectives of Special Education)

(i) प्राथमिक विद्यालयों द्वारा छात्रों की विशिष्टता की पहचान करना तथा उनके अनुरूप शिक्षण की व्यवस्था करना।

Scanned with CamScanner

(ii) शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों के लिये विशिष्ट पाठ्यक्रम एवं विशिष्ट शिक्षण विधियों की व्यवस्था करना, जिससे बच्चों का अधिगम स्तर उच्च हो सके।

(iii) सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के अधिनियम बनाकर शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों के समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित किया जाना।

(iv) विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के सहगामी क्रियाओं का संचालन करके छात्रों का बहुमुखी विकास पर बल देना।

(v) शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को आरक्षण प्रदान कर बढ़ावा देना जिससे वो उच्च शिक्षा ~~प्राप्त~~ भी आसानी से प्राप्त कर सकें।

(vi) सरकार द्वारा विशिष्ट बालकों की शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान प्रक्रिया (Research programme) को बढ़ावा देना जिससे ~~की~~ नवीन ज्ञान की खोज कर सके और विधियों का प्रयोग कर सकें।

(vii) विशिष्ट शिक्षा में प्रतिभाशाली बालक एवं बालिकाओं के लिये सामान्य बालक एवं बालिकाओं से पृथक पाठ्यक्रम तैयार ~~करना~~ होना चाहिये।

Scanned with CamScanner